080 सूरह अबस. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब.
मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» एक नाबीना (अंधा) सहाबी की मिसाल, सभी इन्सान बराबर हे, अल्लाह की हिदायत और आखिरत के दर्जे और वहा के हालात का बयान.

एक नाबीना सहाबी रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत मे हाज़िर हुवे, उस वक्त आपﷺ कुरेश के सरदारों के साथ बातचीत मे मशगूल थे, आपने नाबीना सहाबी की तरफ तवज्जुह नही फरमाई, तो अल्लाह तआला ने इरशाद फरमाया ये कुरान बडी मुकद्दस किताब हे, ये नसीहत की किताब हे, जिस्का जी चाहे नसीहत हासिल करले. आप सब्से जियादा उन्ही का ख्याल रखें जो आप्की खिदमत मे दीन की तलब और तडप लेकर हाज़िर होते हे और जो बेपरवाई इख्तियार करते हे उन्के पीछे पडने की जरूरत नही. फरमाया के इन कुरान से मुंह मोडने वालों का बुरा हो. इन्सान किस कदर नाशुक्रे हे ये अपनी पैदाइश और मौत को भूल गये हे. फिर अल्लाह जब चाहेगा इन्को मारने के बाद उठाकर ज़िन्दा खडा कर देगा. इन्सान गोर तो करे पानी बरसा और ज़मीन फटी, तो उस्से गल्ला (अनाज), अंगूर, तरकारियां, ज़ेतून, खजूरे, फल, चारा, और तरह तरह की चिज़े उगी. फिर जब कयामत आयेगी ये सब कुछ फना हो जायेंगा. उस रोज

हर एक को अपनी पडी होगी. उस दिन बहुत से चेहरे चमकते होंगे, मुस्कुराते हुवे खुश होंगे और कितने ही चेहरों पर खाक उडती होगी, कालक छाई हुई होगी, ये बदकार काफिर होंगे.